देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 194 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
क्यों फिक्रमंद नहीं अखिलेश

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 9 नवंबर 2023

मौसम अधिकतम 26.0° न्यूनतम 17.0°

66023.69 | 2 जापान के वैज्ञानिकों ने किया कमाल | 7 नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बने शुभमन गिल

ऐसी भाषा बोलने पर शर्म भी नहीं आई

नीतीश कुमार के बयान को लेकर विपक्ष की चुप्पी पर पीएम का प्रहार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भोपाल। चुनावी राज्य मध्यप्रदेश में पीएम मोदी की ताबड़तोड़ रैलियों का दौर जारी है। दमोह में भारी जनसभा को संबोधित करने के बाद अब प्रधानमंत्री गुना में चुनावी रैली की। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास भविष्य का सोचने की क्षमता नहीं बची है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न तो आज से युवाओं के लिए कुछ कर सकती है और न ही आने वाली पीढ़ियों के लिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण मामले पर बोलते हुए एक अभद्र टिप्पणी की। नीतीश कुमार के इस बयान पर सियासी तूफान मचा हुआ। इसी बीच बुधवार को पीएम मोदी ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मध्य प्रदेश के गुना में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा,कल आपने अखबार और टीवी पर एक घटना देखी होगी। आईएनडीआई गठबंधन के एक बहुत बड़े नेता, जो इनका झंडा लेकर घूम रहे हैं, उस नेता ने विधानसभा में माताओं-बहनों की उपस्थिति में ऐसी भद्दी भाषा में बातें की जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्हें ऐसी बातें कहने पर शर्म भी नहीं आई।

गुना में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में एक तरफ डबल इंजन की सरकार है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस के डबल डेंजर लोग हैं। एक इंजन केंद्र का और एक इंजन भाजपा की राज्य सरकार का मतलब डब्ल का तेजी से डबल विकास। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केंद्र की योजनाएं तेज गति से जमीन पर उतार रही है, लेकिन आपको ये याद रखना है कि जहां-जहां कांग्रेस सरकार होती है, वहां वो हर योजना पर रोड़े अटकाती है। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद एमपी के विकास ने असली तेजी पकड़ी है।

प्रधानमंत्री ने देश की विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज पूरा देश एक बार फिर मोदी सरकार कह रहा है। दमोह की जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से पूरे विश्व में आज भारत का परचम लहरा रहा है। जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का गौरवगान हो रहा है।

टॉप पर होगा भारत

पीएम मोदी ने मध्यप्रदेश के चुनावी मंच से 2024 के चुनावों पर निशाना साधा है। उन्होंने गारंटी देते हुए कहा कि जब उनका तीसरा सेवाकाल प्रारंभ होगा, तब वो देश की अर्थव्यवस्था को टॉप 3 में लाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी गारंटी खजाने लुटाने की नहीं, बल्कि हमारी गारंटी देश को ऑन-बान-शान के साथ आगे ले जाने की है।

मुझपर एमपी का आशीर्वादः पीएम

पीएम मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की एक गाथा- बुंदेले हर बोलो, हम बचपन में सुनते थे और एक गाथा आज हम दुनिया को सुना रहे हैं। भारत का ये गौरवगान आज संभव न हो पाता, अगर एमपी का इतना आशीर्वाद मुझपर न होता। मोदी सिर्फ और सिर्फ आपका सेवक है। आपका जीवन बेहतर हो, आपके जीवन से मुश्किलें कम हो, यही मेरी प्राथमिकता है।

कांग्रेस का मतलब ही है बर्बादी की गारंटी

देश से गरीबी खत्म करने के नाम पर कांग्रेस का झूठ सामने लाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को आजाद हुए इतने साल हो चुके हैं, लेकिन इतने वर्षों से कांग्रेस देश से एक ही झूठ बार-बार बोलती रही है, गरीबी खत्म करने का नारा देती रही। कांग्रेस कभी गरीबी खत्म नहीं कर पाई, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की नीयत ठीक नहीं थी। मुझे भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस मुझे सौ-सौ गालियां देते हैं। जो मुझे गालियां देते हैं, ये सारे लोग किसी न किसी घोटाले में फंसे हुए हैं। लेकिन ये लोग चाहे कितनी भी गालियां दे भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं रुकेगी। कांग्रेस को लोगों ने 60 साल मौका दिया, लेकिन कांग्रेस ने बुंदेलखंड को सिर्फ सूखा दिया।

संक्षिप्त समाचार

भारत में पेटेंट फाइलिंग में हुई तेजी से वृद्धि

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में पेटेंट आवेदनों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खुशी जताई है। बुधवार को उन्होंने कहा कि यह युवाओं के बढ़ते नवोन्मेषी उत्साह को दर्शाती है और आने वाले समय के लिए यह बहुत सकारात्मक संकेत है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, भारत में पेटेंट आवेदनों में वृद्धि हमारे युवाओं के बढ़ते नवोन्वेषी उत्साह को दर्शाती है।

मेरे जूते गिनने के लिए आपका स्वागत है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश की संसद में सवाल पूछने के बदले रुपये लेने के आरोप में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने बड़ा दावा किया है। निशिकांत दुबे ने बुधवार को कहा है लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, महुआ ने बीजेपी सांसद के ट्वीट के बाद जोरदार हमला किया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने किए भगवान बद्री विशाल के दर्शन

राज्यपाल और मुख्यमंत्री धामी ने की राष्ट्रपति की अगवानी

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को उत्तराखंड स्थित भू-बैकुंठ धाम पहुंचकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। मंदिर में करीब 25 मिनट तक पूजा करते हुए राष्ट्रपति ने देश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बदरीनाथ धाम आगमन पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपति की अगवानी की।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बीच भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से बुधवार को सुबह 10:20 बजे बद्रीनाथ आर्मी हेलीपैड पहुंची हेलीपैड पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) और

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, बद्री केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, अन्य जनप्रतिनिधियों सहित जिलाधिकारी हिमांशु खुराना एवं पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। यहां से राष्ट्रपति काफिले के साथ मंदिर पहुंची और मंदिर में बद्री विशाल की वेद पाठ एवं विशेष पूजा की। बद्रीनाथ के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी एवं तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न की। मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार एवं अन्य पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को बद्री विशाल का प्रसाद एवं अंग वस्त्र भेंट किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर परिसर में राष्ट्रपति को भोजपत्र पर बनी बद्रीनाथ मंदिर की प्रतिकृति, आरती और स्थानीय उत्पादों की टोकरी भेंट की।

मैं अपनी बात पर शर्म करता हूं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बयान

- सीएम नीतीश ने कहा- मैंने गलत बात नहीं बोली

बिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनसंख्या नियंत्रण पर दिए गए बयान को विधानसभा में माफी मांगी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने पहले विधानसभा परिसर में सीएम नीतीश का घेराव किया। उन्हें सदन के अंदर नहीं जाने दिया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार विधान परिषद के रास्ते सदन में गए। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने मीडिया के सामने अपने बयान पर माफी मांगी। लेकिन, भाजपा विधायक नहीं माने और विधानसभा में हंगामा करने लगे।

नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफा की मांग पर अड़ गए। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि ष्मैं तो स्त्री शिक्षा के फायदे बता रहा था। बताया था कि कैसे लड़कियां पढ़-लिख गईं तो जन्मदर में कमी आयी। मैंने जो बात कही, वह सही थी। लेकिन, इसकी चूंकि निंदा की जा रही है और लोगों को लग रहा है कि मैंने गलत बात की या गलत तरीके से कहा है तो मैं माफी मांगता हूं। अपनी बात वापस लेता हूं। सीएम नीतीश कुमार ने सदन के अंदर कहा कि अगर मेरी किसी बात को लेकर तकलीफ हुई है तो मैं अपनी बात वापस लेता हूं। मैं दुख प्रकट कर रहा हूं। मैं अपनी निंदा करता हूं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- मुख्यमंत्री सदन में बैठने योग्य नहीं है

नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री मेमेरी लॉस हो चुकी है। उनकी याददाश्त कमजोर हो चुकी है। उनका मेडिकल जांच होना चाहिए। मुख्यमंत्री सदन में बैठने योग्य नहीं है। उन्हें फौरन इस्तीफा दे देना चाहिए। वह सदन और बिहार की गरिमा को धूमिल कर रहे हैं। बिहार की मां बहने और सदन में बैठे विधायकों का सिर शर्म से झुक चुका है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Gadoli Media Ventures
Contact:
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

हमास के सुरंग नेटवर्क को तबाह कर रहा इजरायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

गाजा पट्टी। इजरायल हमास युद्ध का बुधवार 33वां दिन है। हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा लगातार सैन्य कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच बुधवार को इजरायली सेना ने जानकारी दी कि गाजा पट्टी पर हवाई हमलों में हमास के एक शीर्ष हथियार निर्माता और कई आतंकी मारे गए।

आतंकी महसीन अबू जिना को इजरायली सेना ने ढेर करने का दावा

इजरायली सेना ने हमास के लड़ाकों द्वारा बनाए गए सुरंग पर रॉकेट दागे। ये सुरंग हमास के कमांड पोस्ट्स हैं। बता दें कि इस समय इजरायली सेना ने हमास के मुख्य ठिकानों को चारों तरफ से घेर रखा है। कुछ दिनों पहले इजरायल ने जानकारी दी कि सैनिकों ने गाजा सिटी को पूरी तरह घेर रखा है।

इजरायली सैनिकों ने दावा किया कि सैनिक मध्य गाजा तक पहुंच चुके हैं। वहीं, हमास ने दावा किया है कि इजरायली सैनिकों को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया गया है। इजरायली सेना ने जानकारी दी कि दो अलग हवाई हमलों में हथियारों के तैयार करने वाले आतंकी महसीन अबू जिना को मार गिराया गया।

न्यूज डायरी

इमरान खान की पार्टी के 60 और नेता गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। सबसे बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों के सिलसिले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के 60 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इन नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पंजाब प्रांत से हुई। वहीं, पीटीआई ने बुधवार को इसकी आलोचना करते हुए इसे श्अवैध फासीवादीश् कदम करार दिया। पाकिस्तान में आठ फरवरी, 2024 को आम चुनाव के एलान के बाद पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसते हुए कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस ने नौ मई और उसके तुरंत बाद भी कुछ गिरफ्तारियां की थीं, लेकिन अब नई गिरफ्तारियां हुई हैं। बकौल पीटीआई, कथित भ्रष्टाचार के मामले में 70 वर्षीय इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सैन्य और राज्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के सिलसिले में मई की शुरुआत से पार्टी के 10,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता जेल में हैं। पुलिस ने नौ मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमल और मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में एक प्लाजा को जलाने में शामिल 62 पीटीआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। बता दें कि भारी संख्या में पुलिसबल ने पीटीआई अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही के रिश्तेदार और पूर्व विधायक मेजर (आर) ताहिर सादिक को गिरफ्तार करने के लिए उनके आवास पर भी छापा मारा।

आर्मीनिया ने पिनाका के बाद भारत से खरीदा शिकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) येरेवान। अजरबैजान, तुर्की और पाकिस्थान की खतरनाक तिकड़ी के शिकार आर्मीनिया ने पिनाका रॉकेट सिस्टम के बाद भारत से अब एंटी ड्रोन सिस्टम खरीदा है। आर्मीनिया भारत से यह हथियार ऐसे समय पर खरीदे हैं जब वह नई दिल्ली से सोवियत जमाने के जमाने के हथियारों को अत्याधुनिक बनाने के गुर सीखना चाहता है। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच शांति वार्ता चल रही है लेकिन यह कब टूट जाए और जंग फिर से भड़क उठे, इसका डर बना हुआ है। इसी खतरे को देखते हुए भारत आर्मीनिया के खरीदे हुए हथियारों प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आर्मीनिया ने भारत में विकसित किए गए जेन एंटी ड्रोन सिस्टम को खरीदने का समझौता किया था। भारतीय वायु सेना ने भी साल 2021 में इसी एंटी ड्रोन सिस्टम को खरीदा था। भारतीय सेना ने 2.27 अरब रुपये में 20 यूनिट एंटी ड्रोन सिस्ष्टम खरीदे हैं। भारतीय वायुसेना को मार्च 2024 में इस एंटी ड्रोन सिस्टम की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। आर्मीनिया ने हैदराबाद की कंपनी जेन टेक्नॉलजी को 340 करोड़ रुपये का ठेका दिया था। इसमें ट्रेनिंग और एंटी ड्रोन सिस्टम शामिल है।

इस्लामिक स्टेट समूह ने काबुल में हुए मिनीबस विस्फोट की ली जिम्मेदारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। इस्लामिक स्टेट समूह ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक मिनीबस विस्फोट की जिम्मेदारी ली। इस हमले में कम से कम 7 लोग मारे गए थे। सुन्नी आतंकवादी समूह ने कहा कि उसके सदस्यों ने शिया मुसलमानों को ले जा रही बस पर एक विस्फोटक उपकरण से विस्फोट किया। पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान के अनुसार, काबुल के पश्चिमी शिया इलाके दश्ती बारची में हुए हमले में 20 अन्य घायल हो गए। यह बमबारी कई हफ्तों में इस क्षेत्र में हुआ दूसरा हमला था। 26 अक्टूबर को पड़ोस के एक स्पोर्ट्स क्लब में हुए विस्फोट में चार लोग मारे गए और सात घायल हो गए थे। आईएस ने उस हमले की जिम्मेदारी भी ली थी। बता दें कि काबुल के दश्ती बारची इलाके को अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह के सहयोगी द्वारा बार–बार निशाना बनाया गया है। समूह ने स्कूलों, अस्पतालों और मस्जिदों पर बड़े हमले किए हैं, और देश भर के अन्य शिया क्षेत्रों पर भी हमला किया है। जानकारी के लिए बता दें कि आईएस सहयोगी मुख्य रूप से अफगानिस्तान के पूर्वी नंगरहार प्रांत में स्थित है और अगस्त 2021 में सुन्नी समूह द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से तालिबान का एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी रहा है। आईएस आतंकियों ने काबुल, उत्तरी प्रांतों और खासकर जहां भी शिया लोग हैं, वहां हमले किए हैं।

भारत–अमेरिका दोस्ती को मजबूत करेगी 'टू प्लस टू' बातचीत

चर्चा

युद्ध के बीच अमेरिकी विदेश और रक्षा मंत्री आ रहे भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत ने अमेरिका के साथ आगामी 22 मंत्री स्तरीय वार्ता की पूरी तैयारी कर ली है। 10 नवंबर को भारत में 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता आयोजित होने वाली है। इस वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं।

दोनों देशों के बीच मजबूत वैश्विक साझेदारी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच गहरे रणनीतिक रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिका के दोनों नेताओं की मुलाकात विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ होने वाली है।

एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के निदेशक फरवा आमेर ने इस वार्ता को लेकर कहा कि इजरायल –हमास और रूस–यूक्रेन युद्ध की वजह से दोनों देशों पर पड़े प्रभाव पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका दोनों ने हमास के खिलाफ इजरायल का साथ खड़े होने की बात कही है। वहीं, रूस–यूक्रेन के मामले पर भारत का कहना है कि बातचीत ही एकमात्र समाधान है।

बता दें कि कुछ दिनों पहले भारत और कनाडा के रिश्तों में काफी खटास पैदा हो गई थी। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा ने भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए थे। कनाडा ने दावा किया था निज्जर की हत्या के पीछे भारत की खुफिया एजेंसी है। जिसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गई। वहीं, अमेरिका ने भारत से इस मुद्दे पर कनाडा के साथ जांच में सहयोग की अपील की है। बता दें कि भारत ने साफ तौर पर कहा कि कनाडा खालिस्तानी समर्थकों को पनाह देता आया है। खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ कनाडा को कार्रवाई करने की जरूरत है।

चीन विवादित दक्षिण चीन सागर के लगभग पूरे हिस्से पर दावा करता है, जबकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम सभी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान बनाए हैं। चीन का पूर्वी चीन सागर में जापान के साथ भी क्षेत्रीय विवाद है। आमेर ने कहा कि बातचीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहां यूक्रेन में संकट और इजराइल–हमास संघर्ष की छाया मंडरा रही है। आमेर ने कहा कि ये संघर्ष सीधे तौर पर अमेरिका–भारत संबंधों से जुड़े नहीं हो सकते हैं, लेकिन वे एक ऐसी पृष्ठभूमि बनाते हैं जो दोनों देशों की रणनीतिक गतिशीलता और वैश्विक परिप्रेक्ष्य को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वार्ता के दौरान इन संकटों पर चर्चा होने की संभावना है।

दोनों देशों के नेताओं के बीच बैठक के दौरान जलवायु, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आतंकवाद विरोधी, शिक्षा और लोगों से लोगों के बीच संबंध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्रीलंका में चीन को मिलकर पटखनी देंगे भारत और अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। बीआरआई के कर्ज के जाल में फंसाकर श्रीलंका को लूट रहे चीन के दिन अब लदने वाले हैं। श्रीलंका में चीन को पटखनी देने के लिए अब भारत और अमेरिका दोनों ने हाथ मिला लिया है। अमेरिका की बाइडन सरकार ने ऐलान किया है कि वह कोलंबो बंदरगाह में गहरे पानी के शिपिंग कंटेनर टर्मिनल को बनाने में 55 करोड़ 30 लाख डॉलर का निवेश करेगी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में इस प्रॉजेक्ट को भारत का अडानी ग्रुप आगे बढ़ा रहा है। चीन ने अरबों डॉलर का कर्ज श्रीलंका पर लाद रखा है और उसके हंबनटोटा बंदरगाह पर 99 साल के लिए कब्ज्जा कर लिया है।

यही नहीं भारी भरकम कर्ज के दबाव की वजह से चीन जबरन अब अपने जासूसी जहाज को श्रीलंका भेज रहा है ताकि भारत और अमेरिका दोनों के सैन्य अड्डों की निगरानी की जा सके। चीन की इस नापाक चाल को मात देने के लिए अमेरिका ने भारत के साथ हाथ मिलाया है। अमेरिका के इंटरनेशनल डिवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन या डीएफसी ने कहा कि इस प्रॉजेक्ट के पूरा हो जाने पर कोलंबो बंदरगाह इस जहाजों के आने–जाने के रास्ते में विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक हब में तब्दील हो जाएगा।

जापान के वैज्ञानिकों ने किया कमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्योटो। स्पेस में अभी तक एल्यूमीनियम रॉकेट और स्टील स्काईस्क्रैपर्स देखते रहे हैं लेकिन जापान के वैज्ञानिकों ने अब स्पेश में लकड़ी की सैटेलाइट भेजने की तैयारी कर ली है। जापान में क्योटो विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता कोजी मुराता ने लकड़ी की सैटेलाइट तैयार की है। मुराता ने अंतरिक्ष में जैविक सामग्रियों के उपयोग पर शोध किया है। उन्होंने एक लकड़ी का उपग्रह बनाकर सिद्धांत का परीक्षण करने का फैसला किया है। ताकि चांद और मंगल पर लकड़ी के उपयोग को परखा जा सके। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के हालिया शोध में पाया गया कि समताप मंडल में 10 प्रतिशत वायुमंडलीय एयरोसोल में उपग्रहों सहित अंतरिक्ष यान से धातु के कण शामिल थे।

माओ के फाइव फिंगर के अधूरे सपने को पूरा करना चाहते हैं जिनपिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भूटान के राजा 10 नवंबर तक भारत में हैं

थिम्पू। भूटान के राजा लोटे शेरिंग एक बार फिर से भारत के दौरे पर हैं। भूटान भारत का सबसे करीबी साझीदार रहा है। राजा शेरिंग ऐसे समय में भारत आए हैं जब पिछले दिनों चीन और भूटान के बीच असुलझे बॉर्डर विवाद को लेकर हुई बातचीत एक समझौते पर खत्म हुई है। विशेषज्ञ राजा शेरिंग की यात्रा को कई बातों से जोड़कर देख रहे हैं। कुछ समय पहले भूटान की तरफ से भारत–चीन से लगे ट्राइजंक्शन को लेकर बड़ा बयान दिया गया था। अब जबकि वह भारत आए हैं तो समझा जा रहा है कि चीन को कहीं न कहीं एक बड़ा संदेश देने की कोशिश भी की जा रही है।

पिछले दिनों चीन और भूटान के बीच अस्थिर सीमा पर नवीनतम दौर की वार्ता हुई है। यह वार्ता बॉर्डर को रेखांकित करने को लेकर बनाई गई एक नई ज्वॉइन्ट टेक्निकल टीम की जिम्मेदारियों और उसके कार्यों के बारे में समझौते के साथ खत्म हुई है।

चीन मामलों के जानकार और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व सलाहकार रहे ब्रह्म चेलानी ने निक्ख्केई एशिया में उनकी यात्रा का मतलब समझाया है। भूटान और चीन के बीच सन् 1984 से सीमा विवाद वार्ता जारी है। भूटान और चीन के बीच ज्व्वॉइन्ट्ट टीम का गठन इस साल अगस्त में हुआ था। दोनों सरकारों के बीच हुए समझौते के तहत इसे बनाया गया था। इसके बदले में सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए साल 2021 के समझौता ज्ञापन का पालन किया गया। हालांकि, समझौते के बावजूद, चीन और भूटान के बीच सीमा विवाद फिलहाल नजर नहीं आता है।

भारत की ही तरह दोनों देशों के बीच सीमा विवाद एक संवेदनशील मसला है। सन् 1949 की मित्रता संधि के तहत, भूटान ने अपने बाहरी संबंधों के संबंध में भारत सरकार की सलाह पर आगे बढ़ने की कसम खाई थी। सन् 2007 की एक संधि हुई और जिसमें बदलाव हुआ।

भारतीय मूल के विन गोपाल अमेरिकी सीनेट के लिए फिर चुने गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। भारतीय–अमेरिकी राज्य सीनेटर विन गोपाल को राज्य के इतिहास की सबसे महंगी विधायी दौड़ जीतकर न्यू जर्सी सीनेट में तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। 38 वर्षीय डेमोक्रेट सीनेटर ने न्यू जर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में अपने रिपब्लिकन चौलेंजर, स्टीव डिनिस्ट्रियन को हरा दिया, जिससे डिनिस्ट्रियन के मुकाबले लगभग 60 प्रतिशत वोट हासिल हुए और डेमोक्रेट्स के लिए जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर नियंत्रण पाने में मदद मिली। उनके अभियान के अनुसार, गोपाल वर्तमान में न्यू जर्सी राज्य सीनेट के सबसे कम उम्र के सदस्य और राज्य के इतिहास में सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले दक्षिण–एशियाई अमेरिकी हैं। अमेरिका के कम से कम 37 राज्यों में मतदान खुले।

बदलती निष्ठा की समस्या

राष्ट्रीय ही नहीं, तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह प्रवृत्ति दिखती है, जिसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक दलों में नेताओं और कार्यकर्ताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं और नेतृत्व की ओर से किए जाने वाले रिस्क घटाने के प्रयासों का हिस्सा मानते हैं।

अनुज सनवाल।।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों में असंतुष्टों के विरोध प्रदर्शन की खबरें नेतृत्व के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। लेकिन यह किसी खास राज्य या चुनाव तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस की ही एक बैठक के दौरान दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच हुई एक मजाकिया नोकझोंक का विडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों इस बात पर बहस कर रहे थे कि टिकट बंटवारे से नाराज कार्यकर्ताओं को किसके कपड़े फाड़ने चाहिए। इस विडियो को कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी सद्भाव के सबूत के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वह इस बात का भी प्रमाण था कि भारतीय राजनीति में टिकट बंटवारे से पार्टी में उपजने वाले असंतोष को कितना सहज और सामान्य मान लिया गया है। वैसे देखा जाए तो एक स्तर पर यह तमाम दलों में बढ़ते अति केंद्रीकरण का भी सबूत है। राष्ट्रीय ही नहीं, तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह प्रवृत्ति दिखती है, जिसे नेतृत्व की मजबूती के रूप में पेश किया जाता है। हालांकि कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक दलों में नेताओं और कार्यकर्ताओं की बदलती निष्ठा की समस्या से जोड़कर देखते हैं और नेतृत्व की ओर से किए जाने वाले रिस्क घटाने के प्रयासों का हिस्सा मानते हैं। पार्टी की ओर से आर्थिक और अन्य फायदों का केंद्रीकृत बंटवारा भी इसमें शामिल है।

आखिरकार इन सबका मकसद पार्टी पर किसी खास नेता या गुट या परिवार का नियंत्रण बनाए रखना ही होता है। इसीलिए यह प्रवृत्ति न केवल पार्टी के दूरगामी हितों के खिलाफ है बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए भी नुकसानदेह साबित होती है। इसके बचाव में दलीलें चाहे जो भी दी जाएं इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह पार्टी नेतृत्व और स्थानीय पार्टी काडर के बीच बढ़ती खाई का संकेत है।

ध्यान रहे, किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कार्यपालिका और आम नागरिकों के बीच पुल का काम यह स्थानीय पार्टी काडर ही करता है। जाहिर है, इसका पार्टी नेतृत्व से जुड़ाव कम होना या टूटना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है। यही वजह है कि अन्य देशों में लोकल पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं।

उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी पिछले दो दशकों से प्राइमरीज के जरिए प्रत्याशियों का चयन करने पर जोर दे रही है, जिसमें वोटर भी शामिल होते हैं। 2019 के चुनाव में तो उसने प्रत्याशियों की सूची अंतिम मंजूरी के लिए लोकल यूनिटों के पास भेज दी थी। अन्य देशों में ऐसे और भी प्रयोग गौर करने लायक हैं। हालांकि इन तमाम प्रयोगों के अपने फायदे और नुकसान हैं। इसलिए इन्हें ज्यों का त्यों अपना लेने की वकालत नहीं की जा सकती, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि अति केंद्रीकरण की प्रवृत्ति से बचने का सचेत प्रयास अपने देश में भी होना चाहिए।

बड़ा पुण्य

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा।

मित्रों, जो व्यक्ति निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करने के लिए आगे आते हैं, परमात्मा हर समय उनके कल्याण के लिए यत्न करता है. हमारे पूर्वजों ने कहा भी है– "परोपकाराय पुण्याय भवति" अर्थात दूसरों के लिए जीना, दूसरों की सेवा को ही पूजा समझकर कर्म करना, परोपकार के लिए अपने जीवन को सार्थक बनाना ही सबसे बड़ा पुण्य है. और जब आप भी ऐसा करेंगे तो स्वतः ही आप वह ईश्वर के प्रिय भक्तों में शामिल हो जाएंगे।

दोस्तो कर्म मे इतनी शक्ति होती है की उसका फल और दंड न सिर्फ इस जन्म मे बल्कि अगले कई जन्मो तक झेलना पड़ता हैद्य कर्म कभी पीछा नहीं छोड़ते। यदि अच्छा कर्म करोगे तो आपको उसका अच्छा फल मिलेगा और यदि बुरा करोगे तो बुरा दंड लेकिन मिलेगा जरूर।

संपादकीय

तब अलग थे समीकरण

रही बात 2009 के नतीजों की तो एक बात यह समझने की है कि उस समय 2004 से केंद्र में कांग्रेस की सरकार चल रही थी। सरकार होने का मतलब है अपना अलग दबदबा होना। बेनी प्रसाद वर्मा समाजवादी पार्टी में अपने अपमान का मुद्दा बनाकर कांग्रेस में शामिल हुए थे, अवध बेल्ट में उनके अपमान का बदला लेने के लिए कुर्मी वोटर कांग्रेस के साथ आ गया था। कांग्रेस अभी तक यह साबित करने की स्थिति में नहीं है कि उसके पास मोटे तौर पर कौन सा वोट है। वह संभावनाओं पर अपनी दावेदारी पेश कर रही है कि इस बार मुसलमान बीजेपी को हराने के लिए समाजवादी पार्टी के मुकाबले कांग्रेस को वोट करेगा क्योंकि उसने समाजवादी पार्टी को पिछले कई चुनावों में लगातार वोट देकर देख लिया कि उसके जरिए बीजेपी को नहीं हराया जा सकता है। इसके अलावा वह 2009 का उदाहरण दे रही है, जब उसे यूपी से अचानक 21 लोकसभा सीटें मिल गई थीं। उधर, कल्याण सिंह को साथ में लेने के सवाल पर आजम खान की समाजवादी पार्टी से बगावत ने भी कांग्रेस की मदद कर दी थी।

अखिलेश यादव का राष्ट्रीय राजनीति में अपनी दखलंदाजी बनाए रखना है, नहीं तो वोटों के लिहाज से इंडिया उन्हें बहुत फायदे का जरिया कभी नहीं लगा। उनके अनुभवों की रोशनी में इसे समझा जा सकता है।

क्यों फिक्रमंद नहीं अखिलेश

चंद्रभूषण।।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन की बिसात पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच बाहें चढ़ गई हैं। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में कांग्रेस से गठबंधन में सीटें चाह रही थी। शुरुआत में छह सीटों पर बात बनती दिख भी रही थी, लेकिन बाद में बात बिगड़ गई और फिर अखिलेश यादव ने सार्वजनिक रूप से कांग्रेस की लानत–मलामत करने में कोई गुरेज नहीं दिखाया। उन्होंने कहा– अगर हमें पता होता कि इंडिया गठबंधन विधानसभा स्तर पर नहीं है, तो हमारे नेता मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के नेताओं से नहीं मिलते। हम उनके फोन भी नहीं उठाते।

राहुल गांधी को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने सुलह–सपाटे के लिए अखिलेश यादव को भी संदेश भिजवाया और अपने पार्टीजन को भी अनावश्यक बयानबाजी से बचने को कहा। अखिलेश भी नरम पड़ते दिखाई पड़े। लेकिन उनका वह सवाल अपनी जगह कायम है कि अगर इंडिया विधानसभा चुनाव के लिए नहीं है तो उनकी पार्टी के नेताओं को मध्य प्रदेश पर बात करने के लिए क्यों बुलाया गया था? वैसे अगर मध्य प्रदेश को लेकर सीट शेयरिंग का कोई फॉर्म्युला निकल आता है तो भी इंडिया की राह लोकसभा चुनाव के लिए आसान नहीं

जान पड़ती। यूपी से इंडिया के लिए अगर BSP के मुकाबले समाजवादी पार्टी को तरजीह देने का फैसला हुआ तो उसकी दो बड़ी वजहें थीं। एक तो यूपी में समाजवादी पार्टी का मुख्य विपक्षी दल होना और दूसरे यूपी में तीसरी सबसे मजबूत ताकत समझी जाने वाली बसपा का बहुत विश्वसनीय न होना। लेकिन जहां तक अखिलेश यादव के इंडिया के साथ जाने का सवाल है तो उसकी वजह राष्ट्रीय राजनीति में अपनी दखलंदाजी बनाए रखना है, नहीं तो वोटों के लिहाज से इंडिया उन्हें बहुत फायदे का जरिया कभी नहीं लगा। उनके अनुभवों की रोशनी में इसे समझा जा सकता है।

2017 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन था। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के पक्ष में कई ऐसी सीटें भी छोड़ दी थीं, जिन पर उसने पिछले चुनाव में जीत हासिल की थी। प्रशांत किशोर उस चुनाव के रणनीतिकार थे लेकिन समाजवादी पार्टी को फायदा होने के बजाय नुकसान हुआ।

2012 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अलग लड़ने से उसके उम्मीदवारों ने अपर कास्ट के वोट में जो भी थोड़ी–बहुत सेंध लगाई थी, उससे सीधे तौर पर बीजेपी को नुकसान हुआ था और समाजवादी पार्टी कई सीटें नजदीकी मुकाबले में बीजेपी से जीत गई थी। 2017 में जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक होकर लड़े तो कांग्रेस को मिलने वाले परंपरागत अपर कास्ट के वोट भी बीजेपी के साथ चले गए। 2019 लोकसभा चुनाव में बसपा और समाजवादी पार्टी का गठबंधन हुआ, लेकिन इस गठबंधन से भी समाजवादी पार्टी को कोई फायदा नहीं हुआ। उस गठबंधन से अगर कोई फायदे में रहा तो वह थी बसपा उसने समाजवादी पार्टी के मुकाबले दो गुनी ज्यादा सीटें पाईं। इसीलिए इंडिया का हिस्सा होने पर भी अखिलेश यादव कई मौकों पर यह कहते सुने गए कि उन्हें तो अपने ही वोटबैंक का सहारा है। पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकों में भी उन्होंने यही कहा कि यूपी में कोई भी गठबंधन बन जाए, वोटों का बंदोबस्त समाजवादी पार्टी को ही करना रहेगा।

अष्टयोग-5052

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5051 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

बहुत ज्यादा सीट छोड़ने की पक्षधर नही

मोहन। कार्यकर्ताओं को पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक पर ही काम करते रहने होगा। 2017 और 2019 में गठबंधन में सीट शेयरिंग से भी समाजवादी पार्टी अपना नुकसान देखती रही है। 2017 में कांग्रेस ने उससे पिछले चुनाव में जीती हुई कई सीटें ले लीं थी। 2019 में बसपा ने तो उससे आधे से अधिक सीटें ले ली थीं। समाजवादी पार्टी के हिस्से में जो सीटें आई थीं, उनमें से कई बीजेपी का गढ़ कही जाने वाली सीट थीं, जिन पर चुनाव पूर्व ही हार तय मान ली गई थी। समाजवादी पार्टी इस बार बहुत ज्यादा सीट छोड़ने की पक्षधर नहीं है। राष्ट्रीय लोकदल से भी इस मुद्दे पर पेच फंस सकता है, जो कि अभी तक समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन का हिस्सा है। यूपी में कांग्रेस अकेले कोई ताकत नहीं है। अगर समाजवादी पार्टी उसके साथ नहीं रहती है तो उसे ठैच के साथ जाना ही होगा। एक गठबंधन की संभावना यूपी में शुरू से देखी जा रही, वह है BSP+ कांग्रेस आरएलडी। लेकिन यहां भी कुछ दिक्कतें हैं। BSP किसी भी गठबंधन में जाने से पहले सहयोगियों के वोट और उनके वोट ट्रांसफर की हैसियत को परखना चाहती है।

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
December, 2023 Dehradun (Uttarakhand) Peace To Prosperity
उत्तराखण्ड शासन
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
संकल्प नये उत्तराखण्ड का
राज्य स्थापना दिवस 9 नवम्बर की
हार्दिक शुभकामनाएं
माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।
पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है।
ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा
नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपये के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।

मानस खण्ड मंदिर माला मिशन।

4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।

रेल कनेक्टिविटी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाईन।

रोड कनेक्टिविटी : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।

रोप-वे कनेक्टिविटी : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट – हेमकुण्ड, सुरकण्डा देवी रोप-वे।

जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिये अब तक 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू।

एस.जी.एस.टी. संग्रह में 33 प्रतिशत वृद्धि, राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 12 प्रतिशत से अधिक वृद्धि।

राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन रोकने तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरू, एरोमा पार्क व एरोमा वैली ।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड राशि में बढ़ोत्तरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को ₹ 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण।
- स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चौलाई का उचित मूल्य पर क्रय।
- हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन"।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज।
- राज्य में निर्धन परिवारों को वर्ष में 3 सिलेन्डर नि:शुल्क रीफिल की सुविधा।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

क्या आप भी खाते हैं कच्चा सलाद, रातभर बालों में लगाकर रखते हैं तेल

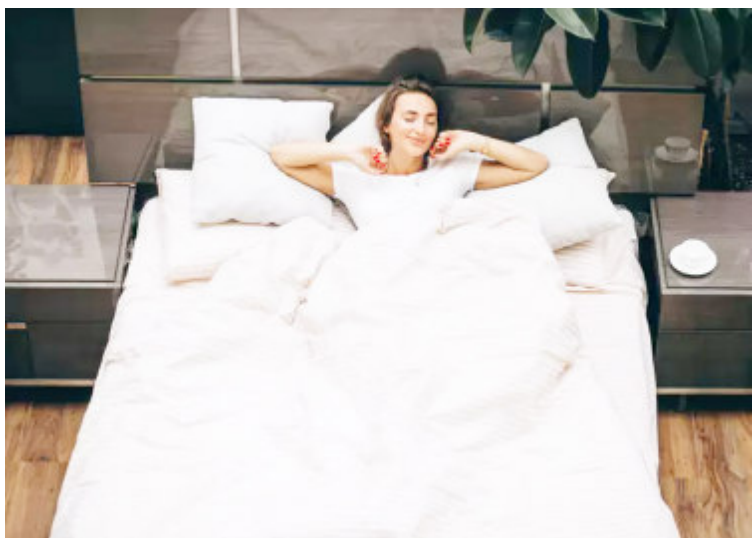

आज की तनाव भरी जिंदगी में दूसरों से आगे निकलने की होड़ में हम अपनी लाइफस्टाइल को बहुत हल्के में ले लेते हैं। हेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों से दूर होते जा रहे हैं। अपनी सुविधा के लिए जब जो मर्जी होती है वो कर बैठते हैं, लेकिन ये लाइफस्टाइल न केवल हमें बीमार बना रहे हैं बल्कि तनाव को और बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जिंदगी में थोड़ा का अनुशासन जरूर होता है।

सुबह 6 बजे के बाद बिस्तर को कहें न
आयुर्वेदिक डॉक्टर रेखा ने इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए पांच हेल्दी टिप्स साझा किए हैं। अगर आपने इन टिप्स को फॉलो कर लिया तो न केवल खुद को तनाव और बीमारियों से बचा सकते हैं बल्कि अपनी लाइफ को खुशनुमा कर सकते हैं। डॉक्टर रेखा कहती हैं कि 6 बजे के बाद बिस्तर पर रहना हेल्थ पर खतरनाक असर डालता है। सूर्योदय से पहले उठकर दिन की हेल्दी शुरुआत करें। ऐसा करने से दिनभर एनर्जी बनी रहती है।

कच्चे सलाद को कहें नाः अगर आप भी कच्चा सलाद खाने के शौकीन हैं या डाइट के लिए कच्ची सब्जियां खाते हैं तो इसे फौरन रोक दें। आयुर्वेद के मुताबिक करीब 80 फीसदी लोग ये नहीं जानते कि सलाद खाने का सही तरीका क्या है? सही जानकारी के अभाव में लोग फायदे के जगह अपना नुकसान कर बैठते हैं। यही वजह है कि कई बार सलाद खाना भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

ठंडा पानी-जूस हेल्थ के लिए खतरनाकः ठंडा पानी, ठंडा जूस या कोल्ड ड्रिंक्स पाचन क्रिया को स्लो कर देता है। ठंडा पानी पीने से खाना पचने में ज्यादा समय लगता है। जिससे हमें एसिडिटी, उल्टी और पेट फूलने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

रातभर बालों में लगाकर रखते हैं तेल?ः अधिकांश लोग यही सोचते हैं कि रातभर बालों में तेल लगाकर रखने से फायदा होता है। बालों को पोषण मिलता है, लेकिन आर्युवेद की माने तो रात भर बालों में तेल लगाकर छोड़ना स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। डॉक्टर रेखा के मुताबिक रातभर बालों में तेल लगाकर रखना पारंपरिक प्रक्रिया है, लेकिन आर्युवेद में इसे अच्छी प्रैक्टिस नहीं मानते हैं। रातभर बालों में तेल लगाकर छोड़ने से शरीर में श्लेष्मा एवं संचय को बढ़ाता है।

सूर्यास्त के बाद खाने को कहें नः सूर्यास्त के बाद खाना खाने से पाचन प्रक्रिया स्लो हो जाती है। सूर्यास्त के बाद पाचन धीमा हो जाता है। ऐसे में इस बात की संभावना बहुत अधिक होती है कि जो खाना आप खा रहे हैं, वो पूरी तरह से डायजेस्ट न हो। जिसकी वजह से शरीर में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं। जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

त्योहार में मिठाई–नमकीन देख लपलपा जाती है जीभ, इन टिप्स से रखें कंट्रोल

त्योहार हम सब के जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। दिवाली आने वाली है। इन दिनों घर घर में मिठाई, नमकीन और तले हुए स्नैक्स की खुशबू फैल रही है। देखा जाए, तो ये स्नैक्स त्योहारों का पारंपरिक हिस्सा हैं। इनके बिना कोई भी हिंदू त्योहार अधूरा है। यह व्यंजन इतने स्वाद होते हैं, कि हम दिनभर में इन्हें कभी भी और कितना भी खा लेते हैं, हमें अंदाजा ही नहीं रहता। कोई संदेह नहीं है कि इनके आगे हम अपनी डाइट को इग्नोर तक कर देते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि आप क्या खाते हैं, कितना खाते हैं और कब खाते हैं इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। वरना अनहेल्दी चीजों का जरूरत से ज्यादा सेवन करने से वजन बढ़ सकता है साथ में अन्य कई समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं, जो इस फेस्टिव सीजन के दौरान आपकी डाइट को मैनेज करने में मदद करेंगे। इस मौसम के दौरान, हम जो भी कुछ खाते हैं उनमें से ज्यादातर तला हुआ और कैलोरी से भरपूर होता है। ऐसे में अपने आहार में ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियों को शामिल करने के बारे में सोचें। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर, मिनरल और पोषक तत्व होते हैं। जबकि फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इनके सेवन से आंतें स्वस्थ रहती हैं और आप अपनी कैलोरी नियंत्रित कर सकते हैं।

आंतों के दर्दनाक घाव का रामबाण इलाज हैं देसी नुस्खे, दर्द से मिलेगा जल्दी आराम

पेट के अल्सर को मेडिकल टर्म में पेप्टिक अल्सर भी कहते हैं। यह पेट से जुड़ी एक आम समस्या हैए जो खराब लाइफस्टाइल और गलत खान.पान के वजह से होती है। इसमें पेट में घाव या छाले होने लगते हैं। इसके होने पर आपको खाली पेट या खाने के कुछ खाना खाने के बाद तेज दर्द गैस खट्टी डकार और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। पेट के अल्सर से बचाव के लिए घरेलू उपचार काफी काम आते हैं, जानिए इनके बारे में पेट के अल्सर में कई घरेलू उपचार काम आ सकते है और आपकी यह समस्या ठीक भी हो सकती है। मेथी के बीज में मौजूद निकोटिनिक एसिड डाइजेस्टिव हेल्थ के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। इसे निकोटिनिक एसिड विटामिन बी3 के रूप में भी जाना जाता है। इसका सेवन पाचन प्रक्रिया को सहायक बनाने में मदद करता है। इसके सेवन के लिए आप मेथी पाउडर को एक चम्मच गर्म पानी के साथ लें। पेट के अल्सर का इलाज के लिए सौंफ का सेवन भी काफी फायदेमंद है।

जहर की फैक्ट्री हो जाएगी बॉडी, खतरनाक है पहचान

बॉडी फंक्शन और मूवमेंट के लिए विटामिन बहुत आवश्यक है। ध्यान न देने की वजह से विटामिन बी12, विटामिन सी, विटामिन डी डेफिशिएंसी काफी आम हो गई है। इसे खत्म करने या हेल्दी रहने के लिए लोग मल्टीविटामिन और सप्लीमेंट लेने लगे हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि 4 तरह के विटामिन शरीर में जहर का काम कर सकते हैं। हाइपरविटामिनोसिस क्या है? हर विटामिन की एक जरुरी मात्रा बॉडी को रोजाना चाहिए। मेडिकल न्यूट्रिशनिस्ट विपिन राणा के मुताबिक जब आप इस लेवल से ज्यादा डोज लेने लगते हैं तो शरीर अंदर से टॉक्सिन्स बनाना शुरू कर देता है। ये विषाक्त पदार्थ सेल्स को डैमेज करने वाले जहर का काम करते हैं, इस स्तिथि को हाइपरविटामिनोसिस कहते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार ऐसा करना पेट को गटर बनाना है। न्यूट्रिशनिस्ट विपिन ने बताया कि विटामिन ए, विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन–के फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं और ये सारे लिमिट क्रॉस होने पर टॉक्सिक बन जाते हैं। शरीर इनको यूरिन के साथ बाहर नहीं फेंक सकता और यह हमेशा आपके अंदर जिंदा रहते हैं। अपने गट को गटर ना बनाओ। विटामिन बी12 और सी वाटर सॉल्यूबल हैं जिनकी टॉक्सिसिटी का खतरा न के बराबर है।

ब्लड प्रेशर के लिए किलर हैं ये योगासन, नहीं पड़ेगी दवाओं की जरूरत

हाई ब्लड प्रेशर एक आम समस्या है, जो लोगों को तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। इस स्थिति में ब्लड प्रेशर हमेशा नॉर्मल से अधिक रहता है। अगर इसे सही से मैनेज नहीं किया जाए तो अनकंट्रोल हाई बीपी दिल का दौरा या किडनी फेलियर जैसी कई जटिलताएं की वजह बन सकता है। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए डॉक्टर की सलाह का पालन करना जरूरी है लेकिन कुछ योगासन के जरिए भी आपको फायदा हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, नियमित रूप से योगासन करने से हाई बीपी को कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। हम आपको कुछ आसन बता रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से घर पर ही कर सकते हैं।

यष्टिकासन
यष्टिकासन, जिसे स्टिक पोज के रूप में भी जाना जाता है, एक सरल लेकिन प्रभावी आसन है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। यह रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देता है। इस आसन को करने के लिए एक चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं और पैर पूरे फैला लें। अपने पैरों को एक साथ रखें और हाथों को सिर के ऊपर एक दूसरे के समानांतर फैलाएं। मन को तनावमुक्त रखें, सांस लें और शरीर को पूरी लंबाई में फैलाएं, पैर की उंगलियां और उंगलियां बाहर की ओर हों। कुछ सेकंड के लिए तनी हुई स्थिति बनाए रखें और फिर सांस छोड़ते हुए और आराम करते हुए प्रारंभिक स्थिति में लौट आएं।

हस्तपादुंगुष्ठासन

हस्तपादुंगुष्ठासन हैमस्ट्रिंग को खींचने और आराम को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस आसन को करने के लिए अपने पैरों को एक साथ और हाथों को अपने कूल्हों पर रखकर खड़े हो जाएं। सांस लें, अपने दाहिने पैर को आगे उठाएं और अपने दाहिने हाथ से बड़े पैर के अंगूठे को पकड़ें। अपने दाहिने पैर को सीधा रखते हुए आगे की ओर फैलाएं। संतुलन बनाए रखें और सामान्य रूप से सांस लेते हुए 10–15 सेकंड तक इसी स्थिति में रहें। सांस छोड़ें और अपना पैर नीचे करें। यही चरण अपने बाएं पैर से भी दोहराएं।

उत्कटासन
उत्कटासन एक गतिशील आसन है जो विभिन्न मांसपेशी समूहों को शामिल करता है और रक्त परिसंचरण में सुधार करता है। इस आसन का अभ्यास करने के लिए अपने पैरों को एक साथ और अपनी बाहों को बगल में रखकर खड़े हो जाएं। गहरी सांस लें और अपनी बाहों को अपने सिर के ऊपर उठाएं। सांस छोड़ें और अपने घुटनों को एक काल्पनिक कुर्सी मुद्रा में मोड़ें। अपनी पीठ सीधी, छाती ऊपर और हाथ आगे की ओर फैलाए रखें। गहरी सांस लेते हुए लगभग 30 सेकंड तक इसी स्थिति में रहें। धीरे–धीरे मूल स्थिति में लौट आएं।

भद्रासन
भद्रासन एक आरामदायक आसन है जो तनाव और तनाव को कम करके हाई ब्लड प्रेशर को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। इस आसन को करने के लिए अपने पैरों को सामने फैलाकर बैठ जाएं। अपने घुटनों को मोड़ें और अपने पैरों के तलवों को एक साथ लाएं, जिससे आपके घुटने बगल की ओर झुक जाएं। अपने पैरों को अपने हाथों से पकड़ें। अब धीरे–धीरे अपने घुटनों को ऊपर–नीचे फड़फड़ाना शुरू करें। सीधे बैठें और गहरी और शांति से सांस लेते हुए इस गति को 1–2 मिनट तक बनाए रखें।

भारत चुनेगा अपने सेमीफाइनल मैच के लिए स्टेडियम

आईसीसी ने टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले एक प्रेस रिलीज में कहा था कि अगर भारत वर्ल्ड के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करता है तो वह वानखेड़े में खेलेगा। अगर पाकिस्तान क्वालीफाई करता है और भारत–पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल मुकाबला होगा तो वह कोलकाता में खेला जाएगा। बता दें कि आईसीसी के नियम के अनुसार होस्ट देश के पास यह अधिकार होता है कि वह अपने सेमीफाइनल के मुकाबले के लिए स्थान का चुनाव कर सकता है।

सेमीफाइनल में हो सकती है भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वानखेड़े में मंगलवार को मैक्सवेल का शो देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐतिहासिक पारी खेली। मैक्सवेल ने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 201 बनाए और टीम को अकेले दम पर जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर गया। ऑस्ट्रेलिया अब प्वाइंट्स टेबल पर तीसरे नंबर आ गई है। वहीं, साउथ अफ्रीका से दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भिड़ेगी। भारत टॉप पर मौजूद है। चौथे स्थान के लिए तीन टीमें लड़ाई लड़ेगी। इनमें न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और पाकिस्तान शामिल हैं। पाकिस्तान के समीफाइनल की रेस में बने रहने से फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत हो। क्योंकि पहले सेमीफाइनल में टॉप और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों के बीच खेला जाएगा। पाकिस्तान का अगला मुकाबला इंग्लैंड के साथ है। वहीं, अफगानिस्तान, साउथ अफ्रीका के साथ भिड़ेगा और न्यूजीलैंड का सामना श्रीलंका से होगा। पाकिस्तान को अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के मुकाबले पर नजर रखनी पड़ेगी। अगर अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड अपने मुकाबले जीत जाते हैं तो मामला नेट रन रेट का फंसेगा।

दुनिया के नंबर 1 वनडे बल्लेबाज बने शुभमन गिल

क्रिकेट

मोहम्मद सिराज ने वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर 1 वनडे बल्लेबाज की रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बीच टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल को बंपर फायदा हुआ हैं। शुभमन गिल ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़कर दुनिया के नंबर 1 वनडे बल्लेबाज की पॉजिशन हासिल कर ली हैं। वहीं, बाबर आजम का 950 दिनों का राज अब खत्म हो गया है। शुभमन गिल सबसे कम उम्र में आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारत के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया।

इसके साथ ही टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी ताजा वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग

में पहला स्थान हासिल कर लिया। सिराज ने शाहीन शाह अफरीदी से नंबर 1 वनडे गेंदबाज की कुर्सी छीन ली। इस विश्व कप में भारतीय टीम के लाजबाव प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही वनडे सूची के शीर्ष में बदलाव देखने को मिला है। दरअसल, भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने इस विश्व कप में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, वहीं, पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम का बल्ला ज्यादा नहीं चला। इस कारण गिल ने बाबर को पछाड़ते हुए वनडे के नंबर 1 बल्लेबाज का टैग हासिल कर लिया। सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और विराट कोहली के बाद गिल वनडे में नंबर 1 बल्लेबाज का टैग हासिल करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। गिल ने इस मामले में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। बता दें कि 25 साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था, जबकि शुभमन गिल ने 24 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर ली।

इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने इस विश्व कप में अब तक 10 विकेट लेने के साथ ही दोबारा से नंबर 1 वनडे गेंदबाज का ताज हासिल कर लिया हैं, जबकि कुलदीप यादव ने तीन स्थान की छलां लगते हुए चौथा स्थान हासिल किया। जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर पहुंचे हैं। वहीं, मोहम्मद शमी सात स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर हैं।

ग्लेन मैक्सवेल की तारीफ में विराट कोहली ने लिखे 6 शब्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ग्लेन मैक्सवेल ने मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ संभवतः विश्व क्रिकेट की महानतम पारी खेली, जिसे देखकर विराट कोहली काफी प्रभावित हुए। ग्लेन मैक्सवेल ने वानखेड़े स्टेडियम पर दर्द से कहराने के बावजूद दोहरा शतक जमाया और ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 के 39वें मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्ल्लेबाजी करके निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 291 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.5 ओवर में सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। कंगारू टीम की जीत के हीरो ग्लेन मैक्सवेल रहे, जिन्होंने 128

गेंदों में 21 चौके और 10 छक्के की मदद से 201' रन बनाए।

ग्लेन मैक्सवेल की पारी से भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली काफी प्रभावित हुए। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर छह शब्दों के सहारे मैक्सवेल की तारीफ की। 35 साल के कोहली ने मैक्सवेल की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, सिर्फ आप ही ऐसा कर सकते हैं। सनकी पारी।

बता दें कि ग्लेन मैक्सवेल और विराट कोहली आईपीएल में एकसाथ रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हैं। दोनों के बीच काफी गहरी दोस्ती है। बता दें कि मैक्सवेल ने वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक जमाया और रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

एक और ग्लेन मैक्सवेल ने कमाल का प्रदर्शन करके सुर्खियां बटोरी तो विराट कोहली रिकॉर्ड्स के शिखर पर बैठने से बस एक कदम दूर हैं। विराट कोहली ने 49 वनडे शतक जमाकर सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। कोहली अपना अगला मैच नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेंगे। उन्हें उम्मीद होगी कि इस मैच में 50वां शतक जमाकर यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएं।

ग्लेन मैक्सवेल पर उमड़ा विनी रमन का प्यार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। ग्लेन मैक्सवेल आईसीसी विश्व कप 2023 में अपनी टीम के 8वें मैच के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए आग लगा रहे थे। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मैक्सवेल ने 128 गेंदों में नाबाद 201 रन बनाकर अफगानिस्तान के खिलाफ पांच बार के एकदिवसीय विश्व कप विजेता को असंभव जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच मैच के दौरान मैक्सवेल गजब के अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने अपनी पारी के शुरुआती चरण के दौरान अफगानिस्तान के फील्डरों की ओर से दिए गए जीवनदान का भरपूर फायदा उठाया। जब मैक्सवेल ने छक्के के साथ अपना 200 रन पूरा किया और अपनी टीम को मैच भी जिता दिया तो उनकी पत्नी विनी रमन, जो वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थीं, ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन शब्दों के दिल छू लेने वाले कैप्शन के साथ एक कहानी पोस्ट की। विनी भारतीय मूल की हैं और पिछले साल मैक्सवेल से शादी की। उनका पोस्ट वायरल हो रहा है।

न्यूज डायरी

काश स्टैंड्स में फील्डर लगा पाते, मैक्सी ने बर्बाद कर दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम पर गगनभेदी छक्के लगाने वाले ग्लेन मैक्सवेल की पारी को लेकर अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि काश वे दर्शक दीर्घा में भी फील्डर लगा पाते ताकि उन्हें आउट किया जा सके। मैक्सवेल ने पारी की शुरूआत में मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 128 गेंद में नाबाद 201 रन बनाए जिसमें 21 चौके और 10 छक्के शामिल थे। एक समय पर 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया ने सात विकेट 91 रन पर गंवा दिये थे लेकिन मैक्सवेल ने चमत्कारिक जीत दिलाई। ट्रॉट ने मैच के बाद कहा ,'कुछेक चीजें हम अलग तरीके से कर सकते थे । लेकिन वह जिस तरीके से खेल रहा था, हम दर्शक दीर्घा में फील्डर नहीं लगा सकते थे। काश लगा पाते।' उन्होंने कहा ,'उसे पूरा श्रेय जाता है। उसने जिस तरह से दोहरा शतक लगाया, वह शानदार था। वह जीत का हकदार था।' ट्रॉट ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया के सात विकेट 91 रन पर लेने के बाद उनकी टीम सही मानसिकता के साथ नहीं खेली। उन्होंने कहा ,'हम मैक्सवेल के आउट होने का इंतजार करते रहे। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश ठंडा पड़ गया था । शायद उन्हें लगा कि वे जीत ही जायेंगे। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के सामने ऐसा सोचना गलत था।

अफगानिस्तान के पास अब भी सेमीफाइनल में पहुंचने का शानदार मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अफगानितान का दिल टूट गया। ग्लेन मैक्सवेल (201') ने दोहरा शतक जमाकर अफगानिस्तान के अरमानों पर पानी फेर दिया। अफगानिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के हाथों वानखेड़े स्टेडियम पर 3 विकेट की शिकस्त सहनी पड़ी। बता दें कि हाशमतुल्लाह शाहिदी के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान टीम जीत के बेहद करीब थी। उसने ऑस्ट्रेलिया को 292 रन का लक्ष्य दिया और कंगारू टीम के 91 रन पर सात विकेट गिरा दिए थे। मगर फिर ग्लेन मैक्सवेल ने पूरे मैच का नक्शा बदल दिया और अफगानिस्तान की टीम जीती हुई बाजी हार गई। अफगानिस्तान के पास शानदार मौका था कि ऑस्ट्रेलिया को मात देकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बेहद मजबूत करे। हालांकि, ऐसा संभव नहीं हो सका। कई लोगों का मानना है कि अफगानिस्तान का वर्ल्ड कप 2023 में सफर यही समाप्त हो गया है, लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं है। अफगानिस्तान के पास अब भी सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका है। अफगानिस्तान को अपना अगला मुकाबला अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। अफगानिस्तान को इस मुकाबले को बड़े अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान और न्यूजीलैंड पर भी निर्भर रहना होगा।

ऐतिहासिक जीत के बाद पूरी प्लानिंग का किया खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पैर में जकड़न होने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने दोहरा शतक ठोककर इतिहास रच दिया। ग्लेन मैक्सवेल ने अफगानिस्तान के खिलाफ हारते हुए मैच को जीत में पलट दिया और कंगारू टीम को 3 विकेट से जीत दिलाई।
इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच जीतने के बाद ग्लेन मैक्सवेल को आतिशी पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद उन्होंने अपनी प्लानिंग का खुलासा किया। दरअसल, अफगानिस्तान के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के बाद ग्लेन मैक्सवेल को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिली। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने अपनी प्लानिंग का खुलासा करते हुए कहा कि वह पहले से ही माइंडसेट करके आए थे कि उन्हें ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकना है। उन्होंने इस दौरान कहा कि आज जब मैं फील्डिंग कर रहा था, तो उस समय बहुत गर्मी थी, जिस वजह से मैं ज्यादा एक्सरसाइज नहीं कर सका और पैरों में कुछ मूवमेंट हो, इसलिए मैं चाहता था कि आज बैटिंग प्लान में ज्यादा फोकस कर सकूं और ज्यादा देर तक क्रीज पर रुक पाऊं। अफगानिस्तान ने अच्छी गेंदबाजी की। यह हैरान करने वाला है। शुरुआती दो मैच के बाद लोगों ने हमें कॉम्पिटिशन से बाहर समझ दिया था, लेकिन हमें एक टीम के रूप में खुद पर विश्वास था।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, गुरूवार, 9 नवंबर 2023 पेज 8

प्रसिद्ध अभिनेत्री रवीना टंडन आयी परमार्थ निकेतन।

संक्षिप्त समाचार

महिला आयोग अध्यक्ष ने की बिहार के सीएम के बयान की निंदा

संवाददाता देहरादून। महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा कथित रुप से बिहार विधानसभा में महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी के वायरल वीडियो पर सवाल उठाए हैं। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष को इस सम्बंध में अपनी आपत्ति भेजी है। कुसुम कंडवाल ने कहा कि नितिश कुमार ने जनसंख्या रोकथाम विषय पर अपनी बात रखते हुए यह बयान दिया है, जो यह बताता है कि नितिश कुमार कितने संवेदनहीन हैं। जहां देश महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के विरुद्ध इस तरह का बयान महिला सुरक्षा के दृष्टिगत गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

संविदा आउटसोर्स कर्मचारियों का धरना जारी

संवाददाता देहरादून। वन विभाग के उपनल, संविदा व अन्य आउटसोर्स कर्मचारियों का बुधवार को भी वन मुख्यालय में धरना जारी रहा। वे सोमवार से अपनी मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर ध रना दे रहे हैं। संविदा आउटसोर्स कर्मचारी संघ वन विभाग के प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश ने बताया कि सभी हटाए गए कर्मचारियों को पूर्व की भांति उपनल आउटसोर्स के माध्यम से यथावत रखने, समस्त कर्मचारियों का वेतन का भुगतान शीघ्र देने,विभाग में उपनल, आउटसोर्स के नए पद सृजित करने सहित कई मांगें उठायी गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने दून में अपनी नई शाखा खोली

संवाददाता देहरादून। अग्रणी निवेश सेवा प्रदाता एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने देहरादून, उत्तराखंड में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया। इस नई शाखा से राज्य में एचडीएफसी सिक्योरिटीज के ग्राहकों को निवेश उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला मिल सकेगी। इस शाखा का उद्घाटन देश में विस्तार करते हुए सभी बी30 स्थानों तक अपनी पहुँच स्थापित करने की कंपनी की रणनीतिक योजना के अनुरूप किया गया है।

हिमालया किड्स टूथपेस्ट बाजार में प्रवेश की घोषणा

संवाददाता देहरादून। भारत के प्रमुख वैलनेस ब्रांड, हिमालया वैलनेस कंपनी ने बच्चों के स्वाद व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तीन रोमांचक नए स्वादों ऑरेंज, कूल मिंट और बलगम के साथ हिमालया किड्स टूथपेस्ट बाजार में प्रवेश की घोषणा की है। हिमालया कंपनी का पर्सनल केयर मार्किट में एक जाना पहचाना नाम है यह टूथपेस्ट माता–पिता को उनके बच्चों के दांतों की सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेचुरल तत्वों से बना यह टूथपेस्ट बच्चों के दांतो के लिए कोमल, प्रभावी और सुरक्षित है।

सभी स्थानीय निकायों से 100 प्रतिशत सेग्रीगेशन ऐट सोर्स किया जाए लागू

बैठक

■ मुख्य सचिव ने सभी स्थानीय निकायों में ठोस कूड़ा प्रबन्धन पर बैठक ली

संवाददाता

देहरादून। देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश के सभी स्थानीय निकायों में ठोस कूड़ा प्रबन्धन के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को ठोस कूड़ा प्रबंधन के लिए कार्य योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी स्थानीय निकायों से 100 प्रतिशत सेग्रीगेशन ऐट सोर्स लागू किया जाए।

मुख्य सचिव ने सभी स्थानीय निकायों में कूड़ा उठाने वाले वाहनों की संख्या की जानकारी माँगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों के लिए आवश्यक वाहनों की शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहा कि सड़कों से बड़े डस्टबिन हटाए जाने चाहिए। उन्होंने सभी यूएलबी से आवासीय भवनों, व्यावसायिक भवनों और संस्थानों से श्रेणीवार घर – घर से कूड़ा उठान और कूड़े का स्रोत से पृथक्करण (सेग्रीगेशन एट सोर्स) की रिपोर्ट भी तलब की। उन्होंने इसके लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग और थर्ड पार्टी सर्वे की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने पेयजल निगम द्वारा संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी एसटीपी का थर्ड पार्टी सर्वे और रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिये गए। मुख्य सचिव ने प्रमुख सचिव शहरी विकास को भी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर अपनी टीम दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर के सुधांशु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हैलीपैड्स और हेलीपोर्ट्स के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने बुधवार को सचिवालय में प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाये जाने के साथ ही हैलीपैड्स और हेलीपोर्ट्स के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को पूरे प्रदेश में अधिक से अधिक हेलीपैड बनाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इनसे प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में बहुत मदद मिलेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय निवेश को बढ़ाने के लिए राजधानी में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय बनाए जाने हेतु तेजी से प्रयास किए जाएं। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा यदि दिलचस्पी नहीं दिखाई जाती है तो राज्य सरकार को अपने स्तर से भी जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय बनाया जाएगा।

चिन्हीकरण, मूल निवास व भू कानून को लेकर आंदोलनकारियों ने किया सचिवालय कूच

देहरादून। राज्य स्थापना दिवस से एक दिन पूर्व उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के नेतृत्व में दर्जनों आंदोलनकारी संगठनों ने राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया पूरी करने, एक समाज पेंशन पट्टा, पेंशन वृद्धि, मूल निवास 1950 से लागू करने व हिमाचल की तर्ज पर धारा 371 लागू करने की मांग को लेकर सचिवालय कूच किया। सीएम को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। परिषद संरक्षक नवनीत गुसाईं, प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल आदि के नेतृत्व में राज्य आंदोलनकारी परेड ग्राउंड के समीप एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए सचिवालय की ओर बढ़ने लगे। पुलिस मुख्यालय से पहले ही आंदोलनकारियों को पुलिस ने बैरीकैडिंग पर रोक लिया। आंदोलनकारियों ने नारेबाजी तेज कर दी। एक युवक बैरीकैडिंग पर चढ़ा तो पुलिस ने उसे नीचे खींच लिया। कुछ महिलाओं ने भी ऐसा ही करने की कोशिश की। इसके बाद आंदोलनकारी वहीं धरना देने लगे। आंदोलनकारियों का कहना था कि राज्य बनने के 23 साल बाद भी आंदोलनकारी खुद को ठगा व उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने 34 गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों का किया सम्मान

दीक्षांत समारोह

■ गढ़वाल विवि के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं द्रौपदी मुर्मू, सीएम धामी रहे मौजूद

संवाददाता

देहरादून। तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचीं महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को बदरीनाथ धाम के दर्शन करने के बाद हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचीं। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विवि के चौरास परिसर को छावनी में तब्दील किया गया है। सीएम धामी और राज्यपाल भी इस दौरान दीक्षांत समारोह में मौजूद रहे।

केंद्रीय विवि के चौरास परिसर स्थित स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में आयोजित हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन व विवि प्रशासन का प्रोटाकॉल पर विशेष फोकस रहा। इसके लिए कार्यक्रम की मिनट टू मिनट रूपरेखा तय की गई थी। समारोह स्थल के अंदर मोबाइल फोन, कैमरा व अन्य उपकरण ले जाने को भी प्रतिबंधित किया गया था। यहां तक कि समारोह स्थल पर सीट पर बैठने के बाद बेवजह खड़े होने या अन्य गतिविधि करने की भी स्वीकृति नहीं रहेगी।

समारोह के मीडिया कोर्डिनेटर प्रो. एमएम सेमवाल ने बताया कि इस वर्ष स्नातकोत्तर (पीजी) के कुल 1182 व पीएचडी के 98 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। जबकि समारोह में उपाधि लेने के लिए पीजी के 316 व पीएचडी के 58 छात्र–छात्राओं ने पंजीकरण कराया गया।

पीजी के कुल पंजीकृत छात्रों में से 34 गोल्ड मेडल लेने वाले छात्रों ने ही पंजीकरण कराया गया। जबकि कुल 59 गोल्ड मेडल दिए गए। इनमें से 44 गोल्ड मेडल विवि द्वारा व 15 गोल्ड मेडल दान–दाताओं द्वारा दिए गए। कहा इस वर्ष से एक नया गोल्ड मेडल स्व. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल की स्मृति में दिया गया। यह मेडल विवि के तीनों परिसरों में हिंदी के टॉपर छात्र को मिला।

सड़क डामरीकरण नहीं हो से लोग परेशान

संवाददाता देहरादून। शिमला बाइपास से मिठ्ठीबेरी परवल मार्ग चौक की सड़क बदहाल बनी हुई है। यह सड़क पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई थी, लेकिन पाइप लाइन डालने के बाद विभाग सड़क का डामरीकरण करना भूल गए हैं, जिससे लोगों को आवाजाही में भारी पेरशानी हो रही है।

आरकेडिया ग्राम सभा की पूर्व उप प्रधान गीता बिष्ट ने कहा कि पेयजल निगम और पीडब्ल्यूड़ी के बीच तालमेल न होने का खमियाजा क्षेत्र वासियों को भुगतना पड़ रहा है। बरसात के बाद सड़क का डामरीकरण कार्य करना का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वर्तमान समय में पीडब्ल्यूड़ी और पेयजल निगम में आपसी तालमेल के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है। इस सड़क पर जगह–जगह पाइप लाइन लाइन लीकेज हो रही है। पेयजल निगम के अधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा लीकेज ठीक कर दी गई है, लेकिन रात को बड़े ट्रक चलने की वजह से लीकेज दोबारा से हो जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।